Regarding alleged harassment of farmers of Goghat in Hooghly district, West Bengal ? laid

श्रीमती लॉकेट चटर्जी **(**हुगली**):** हुगली जिले के गोघाट के किसानों को किसान मंडी में बिक्री के लिए एक निश्चित तिथि पर धान लाने के लिए कहा जाता है। किसानों के धान लाने के बाद मिल अधिकारियों ने उनसे कथित रूप से कहा कि अगर वे प्रति क्विंटल 5 से 10 किलो धान मुफ्त देने पर सहमत होंगे तभी उनसे धान खरीदा जाएगा। यानी किसानों को मजबूरन 5-10 फीसदी की छूट देनी होगी, जब किसानों ने जुलूस की सूचना दी तो अंत में कोई समाधान नहीं निकलने पर किसानों ने शांतिपूर्ण आंदोलन का रास्ता चुना। उन्होंने धान को मंडी तक लाने के लिए एक कार किराए पर ली है**,** उस समय आर्थिक नुकसान के कारण धान को वापस ले जाना संभव नहीं है। इसके बाद गोघाट थाने के ओसी आये और किसानों के साथ कथित रुप से अभद्र व्यवहार किया। राज्य सरकार द्वारा किसानों से खरीदे गए धान की अनुदानित कीमत का भुगतान केंद्र सरकार करती है**.** यह धान प्रदेश की विभिन्न किसान मंडियों से खरीदा जा रहा है। मैंने बंगाल के किसानों पर हो रहे जुल्म**-**ज्यादती के बारे में बताया है और किसानों को उनके वाजिब हक से वंचित किया जा रहा है ।